अदला बदली

Room to Read®

कहानीः सुधीर
चित्रः मित्रारुण हालदार

IN-LLP-14-0007_Text_Sharing.indd 2 6/19/23 08:50

रानी ने कहा- माँ भूख लगी है। कुछ खाने को दो।

बाला ने कहा- खाला भूख लगी है। कुछ खाने को दो।

माँ ने रानी को खिचड़ी दी।

रानी ने कहा- मुझे तो खिचड़ी पसंद नहीं।

माँ ने कहा- खिचड़ी भी अच्छी होती है, चलो खाओ।

रानी उदास मन से खिचड़ी लेकर बाहर गयी।

खाला ने बाला को मैगी दी।

बाला ने कहा- मुझे तो मैगी पसंद नहीं।

खाला ने कहा- मैगी भी अच्छी होती है, चलो खाओ।

बाला भी उदास मन से मैगी लेकर बाहर गयी।

रानी ने कहा- मुझे मैगी पसंद है।

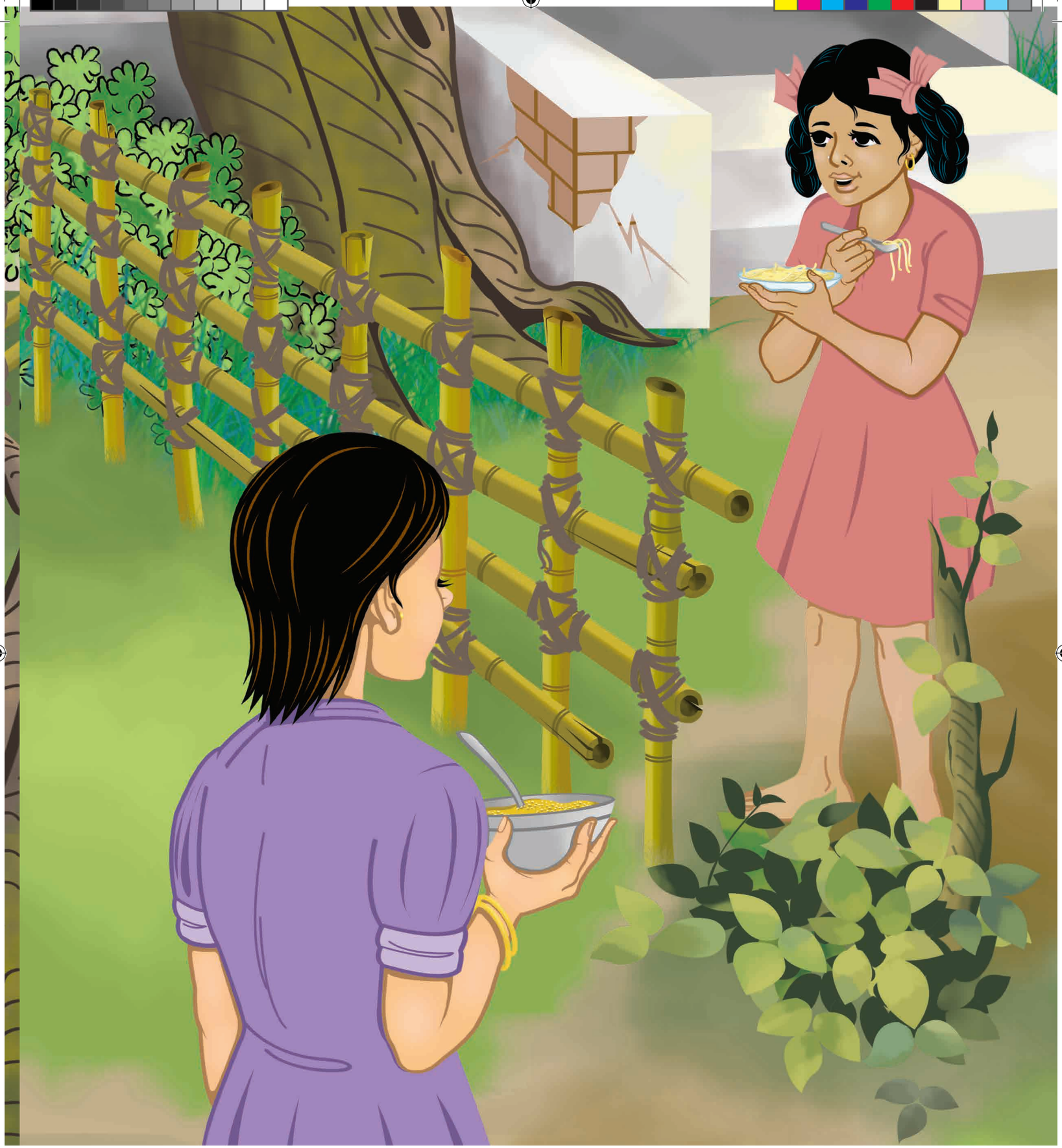

बाला ने कहा- मुझे खिचड़ी पसंद है।

रानी ने बाला को खिचड़ी दी।

बाला ने रानी को मैगी दी।

रानी मज़े से बाला की मैगी खाने लगी।

बाला भी मज़े से रानी की खिचड़ी खाने लगी।

माँ बाहर आयी और देखा। रानी मैगी खा रही है।

खाला बाहर आयी और देखा। बाला खिचड़ी खा रही है।

दोनों ने एक दूसरे की तरफ देखा। दोनों मुसकुराने लगीं।
खाला बोली- देखा, हो गयी न पसंद की अदला-बदली।